सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

९वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२४-२०२५

कक्षा:-चार	विषय:हिंदी	पाठ:1 मातृभूमि का गौरव गान (कविता)

हिंदी पाठ्यपुस्तक में पृष्ठ संख्या 10 पर दिए गए सभी शब्दार्थ अपनी कार्य पुस्तिका में लिखिए ।

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्न के उत्तर दीजिए।

प्रश्न1)हमारे कौन-कौन से ग्रंथ ज्ञान के सागर हैं ?

उत्तर वेद ,पुराण, उपनिषद ,गीता आदि सभी ग्रंथ ज्ञान के सागर हैं ।

प्रश्न2) हमारी मातृभूमि को किन की जननी बताया गया है ?

उत्तर हमारी मातृभूमि को वीर शहीदों की जनानी बताया गया है ।

प्रश्न3)ऋषि मुनियों के वचन कहाँ मिलते हैं ?

उत्तर ऋषि मुनियों के वचन इस धरती के कण-कण में मिलते हैं ।

प्रश्न4)कविता में किसका गुणगान करने की बात कही गई है?

उत्तर कविता में अपनी मातृभूमि का गुणगान करने की बात कही गई है ।

प्रश्न5) कवि माथे पर क्या करने के लिए कह रहे हैं?

उत्तर कवि माथे पर राज कण को मलने के लिए कह रहे हैं ?

निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रश्न1) “भूमि नहीं मात्र है यह” इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं ?

उत्तर इस पंक्ति के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है कि हमारी मातृभूमि केवल भूमि नहीं है यह वीर शहीदों की माँ है । शिवाजी और महाराणा प्रताप की तप की भूमि है अर्थात इस भूमि पर वीर शहीदों, शिवाजी और महाराणा प्रताप जैसे देशभक्तों ने जन्म लिया है ।

प्रश्न2)हमारे कौन-कौन से महापुरुष अमृतवाणी सुना गए हैं ?

उत्तर गुरुनानक ,महात्मा बुद्ध, रहीम, कबीर आदि महापुरुष अमृतवाणी सुना गए हैं ।

प्रश्न3) हमें मातृभूमि का मान बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए ?

उत्तर हम धरती की धूल को अपने माथे पर मलकर इस मातृभूमि का मान बढ़ा सकते हैं ।

प्रश्न 4)कविता में किन वीर पुरुषों के नाम आए हैं?

उत्तर कविता में वीर शिवाजी और महाराणा प्रताप जैसे वीर पुरुषों के नाम आए हैं ।

प्रश्न5)कर्म पथ पर डटे रहो तुम इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर श्री राम ने अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना किया परंतु वह सत्य और कर्म के मार्ग पर चलते रहे । कवि उनके जीवन से यह सीख लेने के लिए कह रहे हैं कि जीवन में परिस्थिति चाहे जैसी भी हो हमें सत्य के मार्ग पर चलते हुए अपने कर्म को करते रहना चाहिए।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए ।

1)गुणगान - गुणों का वर्णन

अच्छे कर्म करने वाले व्यक्ति का सभी गुणगान करते हैं ।

2)मातृभूमि - जन्मभूमि

मुझे अपनी मातृभूमि पर बहुत गर्व है ।

3)पावन - पवित्र

गंगा भारत देश की पावन नदियों में से एक है ।

4)नमन - सर झुकाना

हर किसी को अपने माता-पिता और गुरुजनों के समक्ष नमन करना चाहिए ।